



## सारांश: संक्षिप्त कार्रवाई में शोध

जे.सी. गौलार्ड, टैन अभिराप्पू  
और कैथेरिन होर<sup>1</sup>, जैक  
रोम डी. कैडेज<sup>2</sup>

<sup>1</sup>ऑकलैंड विश्वविद्यालय,  
न्यूजीलैंड

<sup>2</sup>फिलीपिंस विश्वविद्यालय  
डिलीमन

गविविधियों में शोध पर संक्षिप्त  
शृंखला

यह शृंखला बाल केन्द्रित जोखिमों में कमी (सी.सी.आर.आर.), जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (सी.सी.ए.), और स्कूल सुरक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले अभ्यासकर्ताओं के लिए कई विषयों पर अकादमिक और ग्रे-साहित्य का सारांश प्रदान करती है। यह सारांश आपदा जोखिम न्यूनीकरण में बच्चों के समावेशन पर पूर्ण शोधकार्यों के मुख्य संदेशों पर प्रकाश डालता है।

पूरी रिसर्च इनटू संक्षिप्त अभ्यास यहाँ से प्राप्त करें:

[www.gadrrres.net/resources](http://www.gadrrres.net/resources)

## आपदा जोखिम न्यूनीकरण में बच्चों को शामिल करना

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेन्डाई फ्रेमवर्क (एस.एफ.डी.आर.आर.) 2015-30 में "समावेशिकरण" को एक महत्वपूर्ण सिद्धांत के रूप में शामिल किया गया है, तथा राज्यों से :

"आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डी.आर.आर.)... आपदा से बहुत अधिक प्रभावित लोगों विशेषकर गरीबों के सशक्तिकरण और समावेशी, सुलभ और भेदभाव रहित भागीदारी की आवश्यकता है। लिंग, आयु, विकलांगता तथा सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य को सभी नीतियों तथा गतिविधियों में समाहित करना चाहिए और महिला एवं युवा नेतृत्व का बढ़ाना चाहिए" (आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र की अंतर्राष्ट्रीय रणनीति, 2015: 10)।

हालांकि, समावेशन एक कठिन अवधारणा है जिसे व्यवहार में लाने की अपेक्षा में नीति दिशानिर्देशों में शामिल करना आसान है। समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण एक दिर्घावधि प्रक्रिया है— यह नियमित व सतत होना चाहिए, ना कि एक किसी कार्यक्रम की तरह। इसमें बच्चों सहित उन लोगों के बीच शक्ति साझाकरण की आवश्यकता होती है जो सामान्यतया उन मुद्दों पर निर्णय नहीं लेते हैं जो उनके प्रतिदिन के जीवन को प्रभावित करता है। इसके परिणामस्वरूप, शक्तिशाली लोग जिनके विशेषाधिकारों को चुनौति दी जाती है वे समावेशन का विरोध कर सकते हैं।


एस.एफ.डी.आर.आर. उन लोगों की पहचान करता है जिन्हें आपदा जोखिम न्यूनीकरण में शामिल करना चाहिए, उदाहरण के लिए गरीब लोग, महिलार्ये, बच्चे, तथा वृद्ध व्यक्तियों आदि। जबकि, खास लोगों को पूर्वनिर्धारित सूची में शामिल होना खतरनाक है क्योंकि यह अन्य समूहों को और अधिक हाशिए पर धकेल सकते हैं तथा खतरों व आपदाओं के लिए अधिक संवेदनशील बना सकते हैं। लोग कई अन्य प्रकार के हाशियाकरण का अनुभव कर सकते हैं जैसे विकलांग बच्चे तथा जातीय अल्पसंख्यक बच्चे।

### डी.आर.आर. में बच्चों को वास्तविक समावेशन

बच्चों के पास अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन के मुद्दों के लिए निर्णय करने की क्षमता होती है जिसमें खतरों एवं आपदाओं को झेलना शामिल है। बच्चों को डी.आर.आर. प्रयासों में शामिल करके ही उनके विविध प्रकार से नाजुकताओं को समझा जा सकता है क्योंकि बच्चों की अनुभवों और जरूरतों को उनसे बेहतर कोई भी नहीं समझ सकता है। डी.आर.आर. में बच्चों की वास्तविक सहभागिता का अर्थ है— बच्चे अपने जोखिम आकलन का नेतृत्व करें विशेषतः वे जो कई प्रकार के खतरों के प्रति नाजुक है, जैसे विकलांग बच्चे।

अभ्यासकर्ता बच्चों को डी.आर.आर. में शामिल होने में सहायता कर सकते हैं —

**C&A Foundation**

 **Save the Children.**



- यह मान्यता देना कि बच्चों यहां तक कि वे जो विभिन्न प्रकार से नाजुक हैं जैसे विकलांग बच्चे, जातीय अल्पसंख्यक बच्चों के पास ज्ञान, कौशल तथा संसाधनों जिन्हें वे खतरों और आपदा के समय उपयोग करते हैं
- अन्य वयस्कों को बच्चों की विविध क्षमताओं को समझने में सहायता करना (उनके नाजुकताओं के साथ), ताकि बच्चों की विशिष्ट जरूरतों और विचारों को डी.आर.आर. नीतियों में शामिल किया जाए।
- सहभागिता बढ़ाने वाले टूल्स (खेल, ड्रॉइंग व अन्य जिसे विभिन्न आयु समूह और क्षमता के अनुसार उपयोग किया जा सके) का उपयोग करना जो बच्चों को जोखिमों की पहचान करने तथा उसे कम करने कल लिए समुचित गतिविधि करने में सहायता करे।
- बच्चों और वयस्कों में विश्वास पैदा करना ताकि वे एक-दूसरे की क्षमताओं और जानकारी पर विश्वास करें और उसका सम्मान करें।

## व्यवहारिक अनुप्रयोग

बच्चों को वास्तव में डी.आर.आर. में शामिल करने के लिए अभ्यासकर्ताओं को इन छः सिद्धांतों का अनुपालन कर सकते हैं:

1. सभी बच्चे समान नहीं हैं, बच्चे अकेले नाजुक नहीं हैं। बच्चों में विभिन्न नाजुकताएं एवं क्षमताएँ होती हैं जो समाज के भीतर अपनी स्थिति और अपने रोजमर्रा के वातावरण के अपने अद्वितीय अनुभवों को दर्शाती हैं। बच्चों को उनकी विविधता पर विचार करना आवश्यक है, विशेषतः उन बच्चों को जो विभिन्न प्रकार के नाजुकताओं का अनुभव करते हैं, जैसे विकलांग बच्चे और जातीय अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चे।
2. बच्चों के समावेशन में वयस्कों को अवश्य शामिल करना चाहिए। यह केवल बच्चों के साथ काम करने के लिए अपर्याप्त है क्योंकि यह बच्चे और वयस्कों में असमान शक्ति संबंधों को संबोधित नहीं करता।
3. बच्चों का समावेशन सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील होना चाहिए। कभी-कभी निर्णय प्रक्रिया में शामिल बच्चों में सांस्कृतिक अपेक्षाओं को चुनौती हो सकती है। अभ्यासकर्ताओं को सावधानीपूर्वक स्थानीय सांस्कृतिक के सम्मान एवं बच्चों के समावेशन में संतुलन करने की आवश्यकता है।
4. सभी बच्चे विशेषकर सबसे अधिक हाशिए पर के बच्चे, वास्तव में भाग लेने में सक्षम होना चाहिए। अभ्यासकर्ताओं को सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए कि कैसे गतिविधि एवं टूल्स (जैसे- खेल, ड्रॉइंग) डी.आर.आर. में भाग लेने वाले को प्रभावित करते हैं। अभ्यासकर्ताओं को बच्चों और वयस्कों में आपसी संवाद का अवसर भी बनाने तथा बच्चों एवं वयस्कों के मध्य विश्वास पैदा करने की आवश्यकता होती जिससे वयस्क (निर्णयकर्ता) बच्चों के विचारों का सम्मान करें एवं प्रतिक्रिया दें।
5. अभ्यासकर्ताओं को अधिक शक्तिशाली हितधारकों की आवश्यकताओं के स्थान पर बच्चों की आवश्यकताओं की प्राथमिकता तय करनी चाहिए। विशेषरूप से जब अभ्यासकर्ता बाहरी संगठनों (जैसे- एन.जी.ओ.) से होते हैं तो उन्हें उन बच्चों की विविध आवश्यकताओं और विचारों के लिए नरम होना चाहिए जो अपने समय-सीमा और प्राथमिकताओं के साथ डी.

## अधिक जानकारी

इस रिसर्च इनटू प्रैक्टिस ब्रिफ में सभी संदर्भ और कई अन्य बाल केन्द्रित जोखिम न्यूनीकरण व विद्यालय सुरक्षा के संदर्भ में ग्रंथसूची प्राप्त कर सकते हैं:

[https://www.zotero.org/groups/1857446/ccrr\\_css](https://www.zotero.org/groups/1857446/ccrr_css)

इस मुद्दे पर सभी संदर्भों को "Early Childhood" टैग का उपयोग करके प्राप्त किया जा सकता है।

## Readings

- Back, E., Cameron, C. and Tanner, T. 2009. *Children and disaster risk reduction: Taking stock and moving forward*, Brighton, Institute of Development Studies.
- Chambers, R. 2008. *Revolutions in Development Inquiry*, London, Earthscan.
- Mitchell, T., Tanner, T. & Haynes, K. 2009. *Children as agents of change for disaster risk reduction: Lessons from El Salvador and the Philippines*, Brighton, Institute of Development Studies.
- Peek, L. 2008. 'Children and disasters: Understanding vulnerability, developing capacities and promoting resilience – An introduction', *Children, Youth and Environments*, vol. 18, no. 1, pp. 1-29.
- Twigg, J., Bhatt, M., Eyre, A., Jones, R., Luna, E., Murwira, K., Sato, J. & Wisner B. 2001. *Guidance notes on participation and accountability*, Benfield Greig Hazard Research Centre, London.
- Wisner, B., Gaillard, J.C. & Kelman, I. (eds.) 2012, *Handbook of hazards and disaster risk reduction*, London, Routledge.

आर.आर. में शामिल होना चाहते हैं। इसे एन.जी.ओ. के लिए डोनर की समय-सीमा को पूरा करने के लिए नहीं बढ़ाया जाना चाहिए।

6. जब डी.आर.आर. में बच्चों के समावेशन के लिए काम किया जाता है तो, अभ्यासकर्ताओं को 'कौन', 'किसका', 'किसको' के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए:

- खतरों और आपदाओं तथा आपदा जोखिम आकलन में सहयोग करने के बारे में सूचनाओं का संग्रहण एवं विश्लेषण कौन करेगा?
- आपदा जोखिम को कम करने के लिए कौन सा कार्य किया जाए इसके निर्णय कौन करेगा?
- डी.आर.आर. के बारे में किसकी जानकारी को निर्णय के रूप में उपयोग किया जाए?
- डी.आर.आर. गतिविधियों का क्रियान्वयन कौन करेगा तथा इससे कौन लाभान्वित होगा?
- डी.आर.आर. गतिविधियों के प्रभावों का आकलन कौन करेगा, कब करेगा तथा क्या और किस उद्देश्य से करेगा?

डी.आर.आर. में बच्चों का समावेशन, दानदाताओं या एस.एफ.डी.आर.आर. जैसे अंतरराष्ट्रीय नीति प्रेमवर्कों के अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार की गई प्रतिवेदनों के डिजाइनों में टिक करने से अधिक आवश्यक है। बच्चों को शामिल करने का अर्थ है कि बच्चे ना केवल नाजुक हैं बल्कि वे यह भी जानते हैं कि उनके पास विविध क्षमताएं हैं जो खतरों और आपदाओं से निपटने के लिए महत्वपूर्ण हैं।